

**पलटनिया** पुं. (देश.) पलटन में कार्य करने वाला, सैनिक, सेना का सिपाही वि. पलटन विशेष का।

**पलटा** पुं. (देश.) 1. पलटने की क्रिया या भाव, नीचे से ऊपर या ऊपर से नीचे होने का भाव, घूमने या उलटने की क्रिया 2. परिवर्तन मुहा. पलटा खाना- दशा, स्थिति या व्यक्ति का उलट जाना, चक्कर खाना; पलटा देना- उलटना 3. प्रतिफल, बदले में, जैसे- जैसा किया पलटा पाया 4. नाव की वह पटरी जिस पर नाव खेने वाला बैठता है 5. गीत या गायन में किन्हीं स्वर विशेष का जल्दी-जल्दी चक्कर लगाना, दोहराना 6. पाकशास्त्र में प्रयुक्त होने वाला एक उपकरण, पूरी आदि पलटने वाला या चावल निकालने वाला उपकरण 7. कुश्ती में खिलाड़ी द्वारा प्रयुक्त होने वाला एक पैंच का दावा।

**पलटाना** स.क्रि. (देश.) 1. लौटाना, फेरना, वापस देना 2. बदलना 3. पलटने में प्रवृत्त करना।

**पलटाव** पुं. (देश.) पलटने की क्रिया।

**पलटे** क्रि.वि. (देश.) बदले में, एवज में, प्रतिफल-स्वरूप।

**पलड़ा** पुं. (तद्.) तराजू का पल्ला, तुलापट।

**पलथा** पुं. (देश.) 1. कलाबाजी, पानी में कलैया मारने की क्रिया 2. दे. पलथी, पालथी।

**पलथी** स्त्री. (देश.) बैठने की बिशिष्ट मुद्रा, एक आसन विशेष, स्वरितकासन पालती जिसमें दाहिने पैर का पंजा बाँए पट्ठे के नीचे ओर बाँए पैर का पंजा दाहिने पट्ठे के नीचे दबाकर बैठा जाता है, पालथी।

**पलना** अ.क्रि. (तद्.) 1. पालने का अकर्मक रूप यथा- एक की कमाई में पूरा परिवार पलना 2. किसी दूसरे की कृपा से लालन-पालन होना, दूसरे का दिया भोजन-वस्त्रादि पाकर रहना, भरित-पोषित होना जैसे- प्रकृति की गोद पलना, दूसरों के सहारे पलना 3. खा-पीकर हृष्ट-पुष्ट होना जैसे- सरकारी खर्चे पर पलना सभी को आता है 4. धर्म, कर्तव्य आदि का निर्वाह करना, इस कसौटी पर खरे उतरना जैसे- पर भूलो तुम निज

धर्म भले, मुझ से मेरा अधिकार पले-मैथिलीशरण गुप्त (देश.) किसी को कोई पदार्थ देना पुं. (देश.) दे. पालना।

**पलनाना** स.क्रि. (देश.) जीन कसकर घोड़े को चलने के लिए तैयार करना, घोड़े को जोतने के लिए तैयार करना, कसना।

**पलप्रिय** वि. (तत्.) मांसाहारी, मांसभक्षी, मांस खाकर रहने वाला।

**पलयित** वि. (तद्.) भागा हुआ, भाग कर कहीं चला गया हो, पलायित।

**पलल** पुं. (तत्.) 1. माँस, गोश्त 2. कीचड़ 3. तिल का चूर्ण 4. तिल तथा गुड़ या तिल तथा चीनी के मिश्रण से बना लड्डू, चूरा, तिलकुट 5. तिल का फूल 6. राक्षस 7. सिवार, शैवाल 8. पत्थर 9. मल, गंदगी, मैल 10. दूध 11. बल 12. लाश, शव वि. पिलपिला, मुलायम, गीला।

**पललाशय** पुं. (तद्.) 1. कोड़ा, गलगंड या घेघा नामक रोग 2. अजीर्ण, बदहजमी।

**पलव** पुं. (तद्.) 1. मछलियाँ फँसाने वाला जाल, झाबा, 2. दे. प्लव।

**पलवा** पुं. (देश.) 1. ऊख या गन्ने के ऊपर का वह नीरस भाग जिसमें गाँठे पास-पास होती हैं 2. ऊख बोने के लिए लगाए जाने वाले गाढ़े, कटे हुए टुकड़े 3. एक प्रकार की घास जिसे भैंस अत्यंत चाव से खाती है 4. अंजलि, चुल्लू दे. पलवान।

**पलवाना** सं.क्रि. (देश.) 1. किसी से पालन करवाना 2. पालन में किसी को प्रवृत्त करना।

**पलवार** पुं. (देश.) ईख बोने की एक पद्धति या ढंग जिसमें अँखुए या अंकुर निकलने पर खेत को सूखे पत्तों से ढक दिया जाता है 2. ऐसी बड़ी नाव जिस पर माल लाद कर भेजा जाता है, पटैला।

**पलवारी** पुं. (देश.) नाव खेने वाला मल्लाह।

**पलवैया** वि. (देश.) पालन करने वाला, पालने वाला, पालक।